Suspension of Air Services to Arabian Countries

*444. SHRI RAVULACHANDRA SEKAR REDDY:†
DR. T. SUBBARAMI REDDY:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether Indian Airlines and Air India had suspended operations to all the Arabian countries near Iraq due to war;

(b) if so, the total number of flights suspended due to this war;

(c) what has been the economic impact due to the suspension of operation by both Indian Airlines and Air India; and

(d) by when Government are considering to restart the operation in these countries?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN) : (a) to (d) A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) to (d) No Sir. Air India and Indian Airlines have maintained all their operations to the Arabian countries as per the schedule except for the suspension of 14 flights in the montn of April, 2003 due to poor load factors. In fact, Air India and Indian Airlines each mounted four additional flights to Kuwait to meet the increased demand during the initial period of Iraq war. No major economic impact has been felt due to suspension of these flights by Air India in view of their becoming economically un-viable. The suspended flights will be resumed as soon as there is enough improvement in demand to make these flights economically viable.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY : Mr. Chairman, Sir, I would like to know from the hon. Minister whether any flight were suspended during the war time because the reply of the hon. Minister says that fourteen flights were suspended. So, I want to know from the hon. Minister what is the exact revenue loss incurred by the Indian Airlines and the Air India by suspension of flights.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : सर, गल्फ रीजन में हमारी 163 फ्लाइट्स जाती हैं जिसमें 95 एयर इंडिया की हैं और 68 इंडियन एयर लाईस की हैं। हमने जो 14 फ्लाइट्स कैंसिल करने की बात कही है उसमें मुम्बई-बहरीन, दोहा-मुम्बई जो 6 फ्लाइट्स जाती थीं उ[illegible] कम कर दी गई है और चेन्नई-दुबई जो पहले दो फ्लाइट्स जाती थीं उसमें एक कम की है। जो 11 फ्लाइट्स

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Ravula Chandra Sekar Reddy.

मुम्बई-जेद्दा जाती थीं उसमें एक की कमी आई है। इसी की तरह हफ्ते में हमने तीन उड़ाने कैंसिल की हैं। सर, जो लोड फैक्टर है, वह पहले से कम हुआ है लेकिन सबसे ज्यादा जो असर पड़ा है वह एयर टरबाइन फ्यूल के इराक युद्ध की वजह से जो कीमत बढ़ी है उसकी वजह से बढ़ा है। एयर इंडिया को इराक युद्ध की वजह से ए॰ टी॰ एफ॰ में 25 करोड़ रुपया एक्सट्रा खर्च करना पड़ा है और जो डिमांड में डिक्लाइन हुआ है उसकी वजह से 10 करोड़ का घाटा है और इंडियन एयर लाईंस को दो करोड़ का इसमें घाटा हुआ है।

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY : My second supplementary is this. I would like to know from the hon. Minister as to when the Government of India is going to resume flights again since the war in Iraq is over.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : सर, पिछले 4-5 दिनों में डिमांड फिर से बढ़ रही है। हमने एक महीने के लिए इस फ्लाइट्स को कैंसिल किया था और जैसे ही यह डिमांड बढ़ेगी हम इसको फिर से रेस्टोर करेंगे।

DR. T. SUBBARAMI REDDY : Sir, the hon. Minister has said in his reply that no major economic impact has been felt. I would like to know whether he has done any magic to avoid this impact in spite of war and suspension of flights.

Secondly, I would like to know from the hon. Minister what was the strategic plan of the Ministry of Civil Aviation before the war. How many additional flights we had arranged for evacuating Indians from the Gulf countries? I want all these statistics. Sir, nearly, 40 lakh Indians are living in the Gulf countries. I would like to know the number of people the Government of India had evacuated from the Gulf countries. We have read in newspapers that there was a lot of crisis and many people are still suffering. So, please explain all these things to the House as to how you have solved this problem. How many of them have been brought back; and what is the economic loss? I am sure, the loss, as has been mentioned by the hon. Minister, cannot be Rs. 10 crores.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : सर, यह चमत्कार तो सुब्बारामी रेड्डी जी ही दिखा सकते हैं कि वार का कोई असर न हो और कोई ऐसी प्लानिंग करें जिसकी वजह से एकदम नुकसान न हो। आप जानते हैं कि एयर टरबाइन फ्यूल पर भारत की जो एयर लाईंस हैं वह पूरी तरह डिपेंड है और पिछले सालों में एयर इंडिया ने प्रोफिट किया है खराब हालात में भी और आप जानते हैं कि एयर इंडिया और इंडियन एयर लाईंस अब डिस-इंवेस्टमेंट की लिस्ट से भी बाहर आ गई हैं। हमने पिछले साल 15 करोड़ का प्रोफिट किया था और सभापति जी, इस साल अनुमान 90 करोड़ से ज्यादा के प्रोफिट

का है। आज भी इराक वार के बाद में आपके माध्यम से माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहता हूं कि करीब 90 करोड़ का अभी भी फाइनेंसियल ईयर में हमें प्रोफिट होगा और उसमें मैं सभापति महोदय, आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि पिछले 6 महीने में एयर टरबाइन फ्यूल का रेट बढ़ा है। अगर 6 महीने में इराक वार की वजह से जो क्राइसेस हुआ है अगर रेट नहीं बढ़ता तो आज मैं सदन में यह बताने की स्थिति में होता कि 90 करोड़ के बाद भी 146 करोड़ रुपया पिछले साल के मुकाबले इस 6 महीने में एयर इंडिया ने ज्यादा खर्च किया है। 146 करोड़ ज्यादा खर्च करने के बावजूद इस फाइनेंसियल ईयर में हम 90 करोड़ का प्रोफिट करेंगे। इसके लिए आप एयर इंडिया के लोगों को बधाई दे सकते हैं।

श्री प्रेम गुप्ता : मान्यवर, इराक वार में इंडियन एयरलाइन्स और एयर इंडिया ने जो कार्य किया, वह बड़ा अच्छा किया लेकिन जो अभी···

श्री सभापति : माननीय सदस्य, मुश्किल यह है कि सारा क्वेश्चन ऑवर डिस्को डांस में चला गया।

श्री प्रेम गुप्ता : सर, वह तो हो गया। वह तो बैरागी जी ने खत्म कर दिया।

श्री सभापति : अब आप जल्दी जल्दी क्वेश्चन करते जाएं।

श्री प्रेम गुप्ता : महोदय, मैं सीधा प्रश्न पर आता हूं। मान्यवर, अभी इराक वार की तरह से फार ईस्ट में जो बीमारी फैली हुई है जिसकी वजह से इंडियन एयर लाइन्स और एयर इंडिया की फ्लाइट्स कैंसिल हो रही हैं, पायलट्स ने फ्लाई करने के लिए मना किया है। जब भी कोई राष्ट्रीय या इंटरनेशनल त्रासदी आती है तो इंडियन एयर लाइन्स और एयर इंडिया के पायलट्स फ्लाई करने से मना कर देते हैं। इस तरह से तो ये आपके इंडियन एयरलाइन्स का भट्टा बिठा देंगे। पहले भी इन पायलट्स ने ऐसा किया। आप इस संबंध में क्या स्टैप लेना चाहते हैं, इसकी कार्यप्रणाली क्या है? उससे जो घाटा होगा उसको कैसे पूरा किया जाएगा और उसके संबंध में क्या होगा?

श्री सभापति : ठीक है, अब हो गया।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : महोदय, वैसे तो यह प्रश्न मूल प्रश्न से संबंधित नहीं है। माननीय सदस्य सार्स के बारे में अलग से प्रश्न कर सकते थे। जहां तक इन्होंने आई॰पी॰जी॰···

श्री प्रेम गुप्ता : है तो इंडियन एयरलाइन्स के ही संबंध में।

श्री सभापति: आप सुनिए तो सही।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: Indian Pilots' Guild के बारे में बताया है। अभी उन्होने कुवैत जाने से मना किया था और सिंगापुर तथा हांगकांग जाने से भी मना किया है लेकिन हमारे जो

ऐक्जीक्यूटिव पायलट्स हैं जो मैनेजमेंट में भी हैं, उनके जरिए हम ये फ्लाइटस चला रहे हैं और हमने कोई भी फ्लाइट उनके मना करने की वजह से कैंसिल नहीं की है।

SHRI M. P. ABDUSSAMAD SAMADANI : My question is related to the increase in the price of tickets. I would like to know from the hon. Minister what was the logic behind the increase in the price of tickets for the citizens of the country, especially from the Gulf areas during such a very difficult condition? Many people were returning due to war conditions. People who had purchased tickets earlier were compelled to pay the difference. During such a condition, it was a cruel exploitation. I would like to know the logic behind it.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: महोदय, जहां तक किराए का संबंध है, उसके बारे में अलग से प्रश्न कर सकते हैं। इस प्रश्न से उसका कोई संबंध नहीं है।

SHRI M. P. ABDUSSAMAD SAMADANI: It was during the war.....(*Interruptions*)....

MR. CHAIRMAN: Please sit down...(*Interruptions*)...Hon. Members please sit down ...(*Interruptions*)...

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, इस संबंध में कई प्रश्न पार्लियामेंट में आए हैं और राज्य सभा में भी उस तरह के क्वेश्चन हमें अन स्टार्ड में मिले हैं। उनके लिए हम अलग से जवाब दे सकते हैं। इस प्रश्न से उसका कोई संबंध नहीं है।

श्री सभापति : प्रश्न संख्या 445

श्री रमा शंकर कौशिक: महोदय, आपने अलाऊ किया है और माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि इसका जवाब नहीं दूंगा।

श्री सभापति: इजाजत दी है लेकिन.....

श्री रमा शंकर कौशिक: वे इसके लिए समय ले सकते हैं।...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: वह उस समय देख लेंगे।

श्री रमा शंकर कौशिक: उन्हें यह नहीं कहना चाहिए।...(**व्यवधान**)

SHRI M. P. ABDUSSAMAD SAMADANI: It is a very serious question...(*Interruptions*)... It is related to the subject. It was during the war...(*interruptions*)...

श्री रमा शंकर कौशिक: वे यह कह सकते हैं कि इसके लिए उन्हें समय चाहिए।

श्री सभापति: प्रश्न संख्या 445।